Subject :- Sociology Date :- 23/07/2020
Class :- 12th
Topic :- जजमानी व्यवस्था के गुण एवं दोष
By :- Dr. Shyamanand Choudhary
Guest Teacher, Marwari College, Darbhanga
Online Study Material No :- 123

गुण या महत्व

जजमानी व्यवस्था के प्रमुख गुण या महत्व निम्नलिखित है :-

(1) आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना (To Provide economic security) → जजमानी व्यवस्था ने सभी जातियों के लोगों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान की है। चूंकि इस व्यवस्था में जजमानी हक वंशानुगत रूप में प्राप्त होता है। अतः किसी भी व्यक्ति को आजीविका की खोज में इधर उधर भटकना नहीं पड़ता है। सभी सेवा करने वाले जातियों को अपने जजमान से दैनिक आवश्यकता की पूर्ति के साधन गाँव में ही प्राप्त हो जाते हैं। जजमानो की आर्थिक स्थिति इसलिए सुरक्षित रहती है कि उन्हे प्रत्येक स्थिति और प्रत्येक अवसर पर विभिन्न सेवाओं का लाभ मिलता रहता है। जबकी वे सेवा के पुरस्कार तब देते हैं जबकी फसल कटने के समय वे भुगतान करने की स्थिति में हो जाते हैं।

(2) व्यवसायिक सुरक्षा प्रदान करना (To Provide occupational security) → इस व्यवस्था में प्रत्येक जाति के जजमान बँटे रहते हैं। जजमान मनमाने ढंग से कमीन को जजमानी हक से वंचित नहीं कर सकता है। S.C. Dube के अनुसार काम करने वाले जातियाँ भी किसी विकसित संघो का निर्माण करती है। तो जाति पंचायत के द्वारा दंड मिलने के भय से कोई भी व्यक्ति दुसरे के स्थान पर काम करना भी

नहीं चाहता। यदि बाहर से किसी व्यक्ति को बुलाया जाता है तो उस गाँव में उसी जाति के सदस्य उसका वहाँ रहना भी कठिन कर देते हैं।" अर्थात् इसमें जातिय व्यवसाय और जजमान पहले से ही निश्चित रहता है जिसके फलस्वरूप गाँव में किसी प्रकार की व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा (occupational competition) विकसित नहीं हो पाती।

3 सामाजिक बीमा का कार्य करना (To act as Social Insurance) → जजमानी व्यवस्था ग्रामीण जीवन में सामाजिक बीमा का कार्य करती है। बीमारी, दुर्घटना, मृत्यु, जन्म और विवाह के अवसर पर जजमान अपनी सेवा करने वाली जातियों के लोगों को हर सम्भव सहायता प्रदान करते हैं। कमीन के लड़का या लड़की की शादी में जजमान अपनी ओर से आर्थिक सहायता देता है। इसी तरह श्राद्ध भोज के आयोजन के अनुसार भी जजमान कमीन को आर्थिक सहायता देता है। इतना ही नहीं बल्कि मुकदमे में भी जजमान अपने कमीन की तरफदारी करता है। इस कारण कमीन भी जजमान के लिए मर-मिटने को तत्पर रहते हैं।

(4) मानसिक व मनोविज्ञान सुरक्षा प्रदान करना → (To Provide mental or psychological security) यह व्यवस्था गाँवों में सभी व्यक्तियों के मानसिक या मनोविज्ञानिक सुरक्षा प्रदान करती है। वर्तमान में व्यक्तियों के मानसिक संघर्षों का मुख्य कारण रोजगार की खोज, बेरोजगारी की स्थिति आकस्मिक विपत्तियाँ, फसल खराब होना आदि है।

N.H. Wiser ने भी इस व्यवस्था पर प्रकाश डाला है और लिखा है कि जजमानी प्रथा गाँव वालों को शक्ति और शांति प्रदान करती है। एवं लोगों को अधिक सुरक्षा प्रदान करती है जिसमें सदस्यों में मानसिक संघर्ष और तनाव पैदा नहीं हो पाता। पीढ़ी-दर पीढ़ी सेवाएँ देने और प्राप्त करने के कारण कमीन व जजमान दोनों ही पक्षों में शान्ति एवं संतोष पाया जाता है।

(5) ग्रामीण समुदाय में एकता उत्पन्न करना (To create unity in rural community) इस व्यवस्था के बीच सेवाओं की अन्तर सम्बद्धता होने के कारण ग्रामीण समुदाय के लोगों में एकता बनी रहती है।

(6) विभिन्नताओं में एकता (Unity in diversity)

भारतीय गाँवों में यद्यपि अनेक धर्मों, जातियों तथा आर्थिक स्थिति के लोग रहते हैं किंतु जजमानी व्यवस्था एक सामाजिक-आर्थिक व्यवस्था के रूप में ग्राम समूह के सदस्यों को एकता के सूत्र में बाँधती है। जिस कारण राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्नताएँ में एकता उत्पन्न करती है।

दोष

दोष के संदर्भ में निम्नलिखित जजमानी व्यवस्था के दोष हैं:-

(1) जजमानी व्यवस्था कमीनों के आर्थिक शोषण को बढ़ावा देती है।

(2) इस व्यवस्था में जजमान कमीन के साथ दुर्व्यवहार, एवं मारना-पिटना भी करता है।

(3) जजमानी प्रथा दास प्रथा का सूचक है क्योंकी इसमें कमीन को बेगार करना पड़ता है।

(4) यह प्रथा कमीन की कार्यक्षमता में कमी लाती है।

(5) यह प्रथा विभेदकारी नीति पर आधारित कार्य करने वाले व्यक्ति को पारितोषिक उसके श्रम के आधार पर प्राप्त नहीं होता है बल्कि जाति के आधार पर प्राप्त होता है।

S. N. Choudhary
Marwari College
L. N. M. U